संख्या:67/2025/511/35-4-2025/35-4002(099)/3/2024

प्रेषक,

राजेन्द्र प्रसाद,
संयुक्त सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

समस्त जिलाधिकारी,
उत्तर प्रदेश।

नियोजन अनुभाग-4 लखनऊ: दिनांक: 14 मई, 2025

विषय: वित्तीय वर्ष 2025-26 में जनपदों को क्रिटिकल गैप्स योजना के अन्तर्गत पूँजीगत विकास कार्यों हेतु धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषय पर मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपदों में स्थानीय आवश्यकताओं की तात्कालिकता को देखते हुये विभिन्न विकास कार्यों के क्रिटिकल गैप्स की पूर्ति हेतु योजनानतर्गत प्रदेश के 40 बड़े जनपदों हेतु अनुमन्य रू. 200.00 लाख तथा 35 छोटे जनपदों हेतु अनुमन्य रू. 150.00 लाख की सीमान्तर्गत शहरी क्षेत्र हेतु रू. 2650.00 लाख तथा ग्रामीण क्षेत्र हेतु रू. 10600.00 लाख अर्थात कुल रु. 13250.00 लाख (रूपये एक सौ बत्तीस करोड़ पचास लाख मात्र) की धनराशि निम्नलिखित विवरण तथा शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन सम्बन्धित जनपद के जिलाधिकारी के निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

(लाख रू. में)

	जनपद का नाम	वित्तीय वर्ष 2025-26 में अवमुक्त धनराशि		
		ग्रामीण क्षेत्रों हेतु (लेखाशीर्ष: 4515-00-800-05-00-24)	शहरी क्षेत्रों हेतु (लेखाशीर्ष: 4217-60-800-03-00-24)	कुल
1	2	3	4	5
1	प्रयागराज	160.00	40.00	**200.00**
2	खीरी	160.00	40.00	**200.00**
3	सीतापुर	160.00	40.00	**200.00**
4	हरदोई	160.00	40.00	**200.00**
5	आजमगढ़	160.00	40.00	**200.00**
6	जौनपुर	160.00	40.00	**200.00**
7	बरेली	160.00	40.00	**200.00**
8	आगरा	160.00	40.00	**200.00**
9	कानपुर नगर	160.00	40.00	**200.00**
10	गोरखपुर	160.00	40.00	**200.00**
11	लखनऊ	160.00	40.00	**200.00**
12	बहराइच	160.00	40.00	**200.00**
13	बिजनौर	160.00	40.00	**200.00**
14	बुलन्दशहर	160.00	40.00	**200.00**
15	अलीगढ़	160.00	40.00	**200.00**
16	गोण्डा	160.00	40.00	**200.00**

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

	जनपद का नाम	वित्तीय वर्ष 2025-26 में अवमुक्त धनराशि		
		ग्रामीण क्षेत्रों हेतु (लेखाशीर्ष: 4515-00-800-05-00-24)	शहरी क्षेत्रों हेतु (लेखाशीर्ष: 4217-60-800-03-00-24)	कुल
17	बाराबंकी	160.00	40.00	**200.00**
18	गाजीपुर	160.00	40.00	**200.00**
19	सहारनपुर	160.00	40.00	**200.00**
20	उन्नाव	160.00	40.00	**200.00**
21	बदायूँ	160.00	40.00	**200.00**
22	कुशीनगर	160.00	40.00	**200.00**
23	शाहजहाँपुर	160.00	40.00	**200.00**
24	प्रतापगढ़	160.00	40.00	**200.00**
25	मेरठ	160.00	40.00	**200.00**
26	रायबरेली	160.00	40.00	**200.00**
27	सोनभद्र	160.00	40.00	**200.00**
28	बलिया	160.00	40.00	**200.00**
29	वाराणसी	160.00	40.00	**200.00**
30	फतेहपुर	160.00	40.00	**200.00**
31	मिर्जापुर	160.00	40.00	**200.00**
32	देवरिया	160.00	40.00	**200.00**
33	मुरादाबाद	160.00	40.00	**200.00**
34	मुजफ्फरनगर	160.00	40.00	**200.00**
35	झाँसी	160.00	40.00	**200.00**
36	मथुरा	160.00	40.00	**200.00**
37	महराजगंज	160.00	40.00	**200.00**
38	गाजियाबाद	160.00	40.00	**200.00**
39	सिद्धार्थनगर	160.00	40.00	**200.00**
40	बस्ती	160.00	40.00	**200.00**
उप योग (बड़े जनपद)		**6400.00**	**1600.00**	**8000.00**
41	सुल्तानपुर	120.00	30.00	**150.00**
42	बांदा	120.00	30.00	**150.00**
43	फिरोजाबाद	120.00	30.00	**150.00**
44	पीलीभीत	120.00	30.00	**150.00**
45	बलरामपुर	120.00	30.00	**150.00**
46	जालौन	120.00	30.00	**150.00**
47	अयोध्या	120.00	30.00	**150.00**
48	अम्बेडकर नगर	120.00	30.00	**150.00**
49	रामपुर	120.00	30.00	**150.00**
50	संभल	120.00	30.00	**150.00**

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

	जनपद का नाम	वित्तीय वर्ष 2025-26 में अवमुक्त धनराशि		
		ग्रामीण क्षेत्रों हेतु (लेखाशीर्ष: 4515-00-800-05-00-24)	शहरी क्षेत्रों हेतु (लेखाशीर्ष: 4217-60-800-03-00-24)	कुल
51	ललितपुर	120.00	30.00	**150.00**
52	कानपुर देहात	120.00	30.00	**150.00**
53	चन्दौली	120.00	30.00	**150.00**
54	मैनपुरी	120.00	30.00	**150.00**
55	मऊ	120.00	30.00	**150.00**
56	अमेठी	120.00	30.00	**150.00**
57	फर्रुखाबाद	120.00	30.00	**150.00**
58	अमरोहा	120.00	30.00	**150.00**
59	एटा	120.00	30.00	**150.00**
60	हमीरपुर	120.00	30.00	**150.00**
61	इटावा	120.00	30.00	**150.00**
62	कन्नौज	120.00	30.00	**150.00**
63	संतकबीर नगर	120.00	30.00	**150.00**
64	कौशाम्बी	120.00	30.00	**150.00**
65	हाथरस	120.00	30.00	**150.00**
66	चित्रकूट	120.00	30.00	**150.00**
67	कासगंज	120.00	30.00	**150.00**
68	गौतमबुद्ध नगर	120.00	30.00	**150.00**
69	औरैया	120.00	30.00	**150.00**
70	महोबा	120.00	30.00	**150.00**
71	भदोही	120.00	30.00	**150.00**
72	बागपत	120.00	30.00	**150.00**
73	शामली	120.00	30.00	**150.00**
74	श्रावस्ती	120.00	30.00	**150.00**
75	हापुड	120.00	30.00	**150.00**
उप योग (छोटे जनपद)		**4200.00**	**1050.00**	**5250.00**
महा योग, उत्तर प्रदेश		**10600.00**	**2650.00**	**13250.00**

1- स्वीकृत धनराशि का उपयोग उसी प्रयोजन के लिये किया जायेगा जिसके निमित्त स्वीकृत की गयी है तथा किसी अन्य प्रयोजन के लिए नहीं किया जायेगा एवं व्यय स्वीकृत धनराशि तक सीमित रखा जायेगा ।

2- कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व यह सुनिश्चित किया जायेगा कि इस हेतु राज्य सरकार, केन्द्र सरकार अथवा किसी अन्य स्रोत से धनराशि स्वीकृत नहीं हुई है और न ही यह कार्य किसी अन्य परियोजन/ योजना के अंतर्गत अनुमोदित कार्य योजना में सम्मिलित है।

3- निर्माण कार्य को प्रारम्भ करने के पूर्व स्थलीय निरीक्षण के उपरांत वित्तीय नियम संग्रह भाग - 6 के अध्याय-12 के प्रस्तर-318 में वर्णित व्यवस्था के अनुसार विस्तृत आगणन तैयार करते हुए कार्यदायी संस्था द्वारा सक्षम स्तर की तकनीकी स्वीकृति अवश्य प्राप्त की जायेगी ।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

4- कार्यों का निर्माण, लागत आगणन में प्रस्तावित विशिष्टियों एवं कार्य प्राविधानों के अनुसार किया किया जायेगा। कार्य निर्धारित समय-सीमा अवधि में ही पूर्ण कर लिया जाये तथा भविष्य में प्रायोजना का कोई पुनरीक्षण स्वीकार नहीं होगा। कार्यों के लागत आगणन में किसी भी प्रकार का कोई भी परिवर्तन जैसे नये कार्य बढ़ाना, कार्यों के आकार एवं मार्ग की लम्बाई में वृद्धि एवं अन्य उच्च विशिष्टियाँ इस्तेमाल करना इत्यादि, सक्षम स्तर का पूर्व अनुमोदन प्राप्त किये बिना नहीं किया जायेगा।

5- वित्तीय वर्ष के अंत में योजनान्तर्गत स्वीकृत किये गये कार्यों की सूची, प्रगति विवरण के साथ जनपद द्वारा नियोजन विभाग को उपलब्ध कराई जायेगी ।

6- समस्त आवश्यक वैधानिक अनापत्तियों एवं पर्यावरणीय क्लियरेन्स नियमानुसार सक्षम स्तर से प्राप्त करके निर्माण कार्य प्रारम्भ किया जायेगा ।

7- कार्यों की भौतिक / वित्तीय प्रगति की समीक्षा जिलाधिकारी द्वारा नियमित रूप से की जायेगी। व्यय / प्रगति सम्बंधी अपेक्षित विवरण उपलब्ध कराने का दायित्व जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी का होगा और उनके द्वारा स्वीकृत कार्यों की भौतिक / वित्तीय प्रगति का विवरण नियोजन विभाग को उपलब्ध कराया जायेगा ।

8- स्वीकृत धनराशि का व्यय वित्तीय हस्तपुस्तिका के सुसंगत प्रावधानों, समय-समय पर शासन द्वारा निर्गत शासनादेशों के अनुरूप किया जायेगा।

9- क्रिटिकल गैप्स योजना के मार्गदर्शी सिद्धान्तों से संबंधित शासनादेश संख्या-1191/35-4-2007 दिनांक 26 मार्च, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा ।

10- वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय ज्ञाप दिनांक 04 मार्च, 2024 का पूर्णतः अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा ।

11- ई-टेण्डरिंग/ई-प्रोक्योरमेण्ट प्रणाली लागू किये जाने से सम्बन्धित शासनादेश संख्या-1067/78-2-2017-42 आईटी/2017, दिनांक 12 मई, 2017 तथा शासनादेश संख्या-1107/78-2-2017-42आईटी/2017, दिनांक 12 मई, 2017 एवं तदविषयक शासनादेशों के अनुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

12- जिलाधिकारी द्वारा निर्माण कार्य को प्रारम्भ कराने के लिए स्वीकृत आगणन के अनुसार कार्यों हेतु अधिकृत कार्यदायी संस्था को कार्यकारी आदेश प्रदान किया जायेगा तथा कार्यकारी आदेश के साथ स्वीकृत आगणन की एक प्रति संस्था को उपलब्ध करायी जायेगी ।

13- अपेक्षित औपचारिकतायें पूर्ण कर जिलाधिकारी द्वारा अवमुक्त धनराशि नियमानुसार कोषागार से से आहरण कर कार्यदायी संस्था को अवश्य उपलब्ध करा दी जायेगी।

14- परियोजनाओं के लिए स्वीकृत धनराशि को स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया/राष्ट्रीयकृत बैंकों में ही रखा जाय और यदि धनराशि पर कोई ब्याज अर्जित किया गया है तो उसे राजकोष में जमा कराना सुनिश्चित किया जाय।

15- स्वीकृत की जा रही धनराशि संबंधित जनपद के जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी द्वारा जिलाधिकारी की अनुमति से आहरित कर उपलब्ध करायी जायेगी ।

16- स्वीकृत धनराशि का उपयोग प्रत्येक दशा में 31 मार्च, 2026 तक पूर्ण रूपेण कर लिया जायेगा और यदि कोई धनराशि अनाहरित/अप्रयुक्त बचती है तो उसे 31 मार्च, 2026 से पूर्व शासन को समर्पित किया जायेगा। स्वीकृत धनराशि का पूरा लेखा-जोखा अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव नियोजन अनुभाग-4 को 31 मार्च, 2026 तक प्रस्तुत किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा ।

17- राजकोष से आहरित धनराशि का त्रैमासिक आधार पर मिलान महालेखाकार उत्तर प्रदेश में अनुरक्षित लेखों से अनिवार्यतः कराया जायेगा तथा वित्तीय वर्ष की समाप्ति के पश्चात 3 माह में में अर्थात 30 जून,2026 तक स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष हुए व्यय का महालेखाकार द्वारा सत्यापित विवरण नियोजन विभाग को प्रेषित किया जायेगा।

18- जिलाधिकारी द्वारा समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य भी सुनिश्चित कराया जायेगा और इसके लिए लिए कार्यदायी संस्था से प्रभावी समन्वय किया जायेगा। स्वीकृत कार्य को निर्धारित विशिष्टियों

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

तथा मानकों के अनुरूप गुणवत्ता नियंत्रण सुनिश्चित करते हुए समयबद्ध ढंग से पूरा किया जायेगा।

19- कार्य में प्रयोग की जाने वाली सामग्री /उपकरणों का क्रय सुसंगत स्टोर परचेज नियमों तथा आदेशों के अंतर्गत किया जायेगा।

20- यथावश्यकता द्विरावृत्ति से बचने के लिए कार्य प्रारम्भ होने से पूर्व एवं कार्य समाप्ति के पश्चात पश्चात वीडियोग्राफी भी करायी जायेगी।

21- कार्य स्थल पर क्रिटिकल गैप्स योजना के अंतर्गत स्वीकृत होने के तथ्य के साथ-साथ मुख्य विवरण शिला पटिटका/ बोर्ड के रूप में जन साधारण की जानकारी हेत प्रदर्शित किये जायेंगे।

22- कार्य से सृजित होने वाली परिसम्पत्तियों का हस्तांतरण कार्यदायी संस्था द्वारा कार्य की समाप्ति समाप्ति के पश्चात नियमानुसार सम्बंधित प्रशासकीय विभाग को किया जायेगा। संबंधित प्रशासकीय विभाग द्वारा नियमानसार विभागीय संसाधनों से सृजित परिसम्पत्ति के रख-रखाव की की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जायेगी।

2- इस संबंध में होने वाला व्यय (1) रुपये 106,00,00,000 (रुपये एक सौ छः करोड़ मात्र) को चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के आय-व्ययक मे अनुदान संख्या 040 लेखा शीर्षक 4515008000500 पूंजीगत विकास कार्यों के लिए व्यवस्था मानक मद 24 वृहत् निर्माण कार्य, (2) रुपये 26,50,00,000 (रुपये छब्बीस करोड़ पचास लाख मात्र) को चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के आय-व्ययक मे अनुदान संख्या 040 लेखा शीर्षक 4217608000300 पूंजीगत विकास कार्यों के लिए व्यवस्था मानक मद 24 वृहत् निर्माण कार्य कार्य के नामे डाला जायेगा ।

3- यह आदेश वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय ज्ञाप संख्या-6/2025/बी-1-352/दस-2025-231/2025 दिनांक 27 मार्च, 2025 में प्रशासकीय विभाग को उक्तवत प्रतिनिधानित अधिकार के अन्तंर्गत निर्गत किये जा रहे है।

भवदीय,
राजेन्द्र प्रसाद
संयुक्त सचिव।

संख्या:67/2025/511(1)/35-4-2025/35-4002(099)/3/2024 तददिनांक

प्रतिलिपि:निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः-

1. प्रधान महालेखाकार लेखा एवं हकदारी, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज।
2. महालेखाकार, लेखापरीक्षा, प्रथम एवं द्वितीय, प्रयागराज।
3. अपर मुख्य सचिव एवं वित्त आयुक्त, वित्त विभाग, उत्तर प्रदेश शासन।
4. समस्त मंडलायुक्त, उत्तर प्रदेश।
5. मुख्य विकास अधिकारी, समस्त जनपद, उत्तर प्रदेश।
6. मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, समस्त जनपद, उत्तर प्रदेश।
7. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-5
8. मण्डलीय उपनिदेशक (सांख्यिकी), अर्थ एवं संख्या प्रभाग, समस्त जनपद, उत्तर प्रदेश।
9. सम्बंधित संयुक्त निदेशक, स्टेट ट्रांसफार्मेशन कमीशन, नियोजन विभाग।
10. जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, समस्त जनपद, उत्तर प्रदेश।
11. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
राजेन्द्र प्रसाद
संयुक्त सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in